पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने श्रीगंगानगर में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की 11 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर पायलट ने कहा, संविधान सभा के प्रमुख अम्बेडकर ने देश के दलित तबकों को जो आरक्षण दिलाया वह असल में कोई गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं हैं। इसका एकमात्र उद्देश्य देश और समाज के गरीब तबकों और हर व्यक्ति को समानता के पायदान पर लाना है।

‘पिछड़े, दलित समाज को समानता के पायदान पर लाना है’

पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने श्रीगंगानगर में अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण करते समय कहा

श्रीगंगानगर 20 फरवरी, (कासं)। सोमवार को श्रीगंगानगर में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 11 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया।

उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने कहा कि, आरक्षण कोई गरीबी उन्मूलन कार्यकम नहीं है। संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने हमें यह व्यवस्था दी और इसका उद्देश्य है समाज के पिछड़े, दलित समाज के व्यक्ति को समानता के पायदान पर लाया जाए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में भी हमारे सामने कई चुनौतियां हैं। हमें उन चुनौतियों का सामना करते हुए दलित समाज को आगे लाना होगा। उन्होंने कहा कि हर साल ही फरवरी आती है लेकिन इस साल की फरवरी में चुनावी वर्ष होने से नेता नजर आने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी दौसा गए तो ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन के असदुल्ला औवेसी टोंक पहुंचे गए।

ये सब चुनावी साल के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि ये लोग पिछले चार साल कहां थे। ये लोग पहले जनता के बीच नहीं आये। अब चुनावी साल में उन्हें जनता की याद आई है। पायलट ने संबोधन में स्थानीय नेताओं की लिस्ट से नाम पढ़ते हुए चुटकी ली। उन्होंने कहा कि जो लिस्ट मुझे दी गई उसमें नगर परिषद सभापति करुणा चांडक का नाम नहीं था। इस पर उन्होंने कांग्रेस नेता अशोक चांडक से कहा कि भाई आप एक खास नाम भूल गए हैं, आपको शाम को घर भी जाना है। उल्लेखनीय है कि सभापति करुणा चांडक कांग्रेस नेता अशोक चांडक की धर्मपत्नी हैं।

इससे पहले सभा में दलित एक्शन कमेटी अध्यक्ष बंटी वाल्मीकि ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कमेटी ने सभी के सहयोग से बाबा साहेब की प्रतिमा की स्थापना का यह प्रयास किया है।

सभा में मौजूद विधायक राजकुमार गौड़ ने शिक्षा पर बल देने की बात कहते हुए कहा कि शिक्षा की महत्ता समझते हुए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल खोले गए हैं।

इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज भी शुरू किए गए हैं। कांग्रेस नेता अशोक चांडक ने पायलट का स्वागत किया। जिला प्रमुख कुलदीप इंदौरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कई नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। पूर्व जिला प्रमुख सीताराम मौर्य, प्रेम नायक सहित कई नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

- **कार्यक्रम में भारी तादाद में मौजूद जन समूह को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा, आरक्षण कोई गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं है। यह व्यवस्था तो डॉ. अम्बेडकर ने दलितों व पिछड़ों को समानता दिलाने के लिए की थी।**

कांग्रेस आलाकमान जानता है, कौनसा फैसला कब और कैसे लेना है: सचिन पायलट

पायलट ने कहा, “मैंने राजस्थान के संदर्भ में अपने सुझाव दे दिए हैं, कुछ पर अमल हुआ, लेकिन कुछ पर अभी भी जरूरत है”

श्रीगंगानगर, 20 फरवरी (का.प्र.)। पूर्व उपमुख्यमंत्री व राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट सोमवार को श्रीगंगानगर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति का अनावरण करने के बाद मीडिया से रूबरू हुए। पायलट ने कहा कि, मैंने राजस्थान के संदर्भ में कांग्रेस आलाकमान को अपने सुझाव दे दिए हैं। आलाकमान को पता है कि कौन सा फैसला कब और कैसे लेना है। पायलट ने इस तरह से यह भी संकेत दे दिए हैं कि राजस्थान में समन्वय सही नहीं है। उन्होंने कहा कि, मेरे कुछ सुझावों पर अमल भी हुआ है, लेकिन कुछ पर अमल करने की अब भी जरूरत है।

पायलट ने पेपर लीक प्रकरण की पुनः चर्चा करते हुए कहा, राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं और ऐसे काम करने वाले मास्टरमाइंड पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। पहले भी मैंने इस बारे में आवाज उठाई है और अब फिर कह रहा हूं कि मास्टरमाइंड लोगों और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि युवाओं के सपने चूर-चूर न हो।

इससे पहले मूर्ति अनावरण स्थल पर हुई सभा में पायलट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा कि फरवरी का महीना हर बार आता है, लेकिन इस बार यह महीना चुनावी साल में है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दौसा जा रहे हैं और असदुद्दीन ओवैसी टोंक जा रहे हैं। यह दोनों नेता 4 साल तक गायब थे और अब जब चुनाव आ गया है तो सड़कों के उद्घाटन करने पहुंच रहे हैं। बड़े-बड़े भाषण दे रहे हैं, मजहब और धर्म की बात कर रहे हैं। पायलट ने कहा, मैं दावा करता हूं कि जिस तरह से चुनाव से पहले दोनों नेता दिखाई नहीं दे रहे थे, चुनाव समाप्त हो जाएगा तो उसके बाद फिर दोनों नेता यहां से गायब हो जाएंगे। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि, चुनावी साल है। हम सब सुख-दुख के साथी हैं और हमने बड़ी मेहनत से राजस्थान में सरकार बनाई। जबकि ये लोग दिल्ली में बैठकर राज करना चाहते हैं।

पिछली बार की इस बार भी श्रीगंगानगर में सचिन पायलट के दौरे की खास बात यह रही कि, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमे के माने जाने वाले पूर्व सांसद शंकर पन्नू और श्रीगंगानगर से निर्दलीय विधायक राजकुमार गौड़ तथा कांग्रेस विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर भी पायलट के साथ मंच पर नजर आए। इससे पहले सचिन पायलट के श्रीगंगानगर पहुंचने पर कांग्रेस नेता अशोक चांडक, नगर परिषद सभापति करुणा चांडक, विधायक राजकुमार गौड़, विधायक गुरमीत कुन्नर, दलित एक्शन कमेटी अध्यक्ष बंटी वाल्मीकि के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इसके बाद अंबेडकर चौक पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति का अनावरण हुआ।

- **पायलट ने पेपर लीक करने वाले मास्टरमाइंड्स और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग पुनः उठाई।**
- **पायलट ने कहा कि, चुनावी साल में प्रधानमंत्री मोदी दौसा और असदुद्दीन ओवैसी टोंक जा रहे हैं। चुनाव से पहले दोनों नेता जैसे दिखाई नहीं देते थे, वैसे ही चुनाव बाद भी नज़र नहीं आएंगे।**

‘गोधरा कांड के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायमूति पी.एस. नरसिम्हा एवं जे.बी. पारदीवाला की बैंच ने इसी केस के कई आरोपियों की जमानत याचिका की सुनवाई के कलए भी तीन सप्ताह बाद की तारीख दे दी। बैंच ने दोनों पक्षों के वकीलों से कहा कि वे एक समेकित चार्ट पेश करें, जिसमें पूरा विवरण हो, जैसे- उन्हें दी गई वास्तविक सजा तथा उनकी अब तक जेल में गुजरी अवधि।

गुजरात सरकार की तरफ से प्रस्तुत हुये सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बैंच को बताया, “हम उन अभियुक्तों को मृत्युदंड देने का गंभीरतापूर्वक आग्रह करेंगे, जिनके मृत्युदंड (गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा) उम्र कैद में बदल दिये गये थे। यह दुर्लभ केसों में एक ऐसा दुर्लभतम केस है, जिसमें 59 लोग, जिनमें महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल थे, जीवित जला दिये गये थे।

विस्तृत विवरण देते हुये, लॉ ऑफिसर ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने 11 अभियुक्तों को मृत्युदंड दिया था तथा 20 अन्य को उम्र कैद की सजा दी थी।

मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय इस केस में कुल 31 अपराधियों की पुष्टि की थी तथा 11 अभियुक्तों के मृत्युदंड को उम्र कैद में बदल दिया था।

ज्ञातव्य है कि 27 फरवरी 2002 को, जब ट्रेन का एस-6 कोच गुजरात के गोधरा स्टेशन पर जलाया गया था, उसमें 59 लोग मारे गये थे तथा इस घटना के फलस्वरूप राज्य में दंगे भड़क गये थे।

‘मु.मंत्री गहलोत ने साढे तीन मिनट में मुझे अभियुक्त बना दिया’

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह ने पत्रकारों से वार्ता में यह भी कहा कि, एस.ओ.जी. आज तक मुझे दोषी साबित नहीं कर पाई

जयपुर, 20 फरवरी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा, साढ़े चार साल की जांच में एस.ओ.जी. (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) मुझे दोषी साबित नहीं कर पाई,जबकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साढ़े तीन मिनट में मुझे अभियुक्त बना दिया। उनके इसी मानसिक स्तर के कारण शायद कुछ लोग उन्हें जादूगर कहते हैं।

उन्होंने कहा कि, अभियुक्त कौन है इसको जरा ध्यान से देखना चाहिए। बाड़मेर के पचपदरा से चुनाव लड़ने की जुगत में रहे कांग्रेसी नेता का नाम भी टटोल लेना चाहिए। सी.एम. ने मेरी राजनीतिक हत्या करने का प्रयास किया। क्या इसे व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने की कोशिश के रूप में देखा जाए ? क्या इसे अपने पुत्र की हार की खीज मिटाने के प्रयास के रूप में देखा जाए? उन्होंने कहा, क्या सी.एम. का यह बयान पुलिस को इशारा समझा जाए? राजस्थान के सी.एम. ने सिर्फ सार्वजनिक मंचों से कीचड़ उछालने का प्रयास किया है। एस.ओ.जी. का दुरुपयोग करके गजेंद्र सिंह को फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। ज़ैड सिक्यूरिटी पर ग जेंद्र शेखावत ने कहा कि, सी.एम. ने इस सिक्यूरिटी को भी मुझ पर बोलने के लिए हथियार बनाया। मैंने केंद्र से सुरक्षा नहीं मांगी थी। पंजाब प्रभारी होने के नाते सुरक्षा के आकलन के बाद सिक्यूरिटी बढ़ाई गई। मुख्यमंत्री कहते हैं कि, एस.ओ.जी. की गिरफ्तारी से बचने के लिए मेरी सिक्यूरिटी बढ़ाई गई। मैं तो प्रदेश के हर हिस्से में जाता हूं, अगर चुनौती देकर कहता हूं। अगर किसी भी स्तर पर मैं दोषी पाया जाता हूं, तो एस.ओ.जी. सिर्फ मुझे बोल दे। मैं खुद सहर्ष के एस.ओ.जी. पास पहुंच जाऊंगा।

शेखावत ने कहा कि, जनता के आशीर्वाद की जलन इस कदर नहीं होनी चाहिए कि, अगर आप जीत नहीं पाए तो लांछन लगाने में जुट जाएं। सैंकड़ों बादल भी अगर आ जाएं तो सूरज को उगने से नहीं रोक सकते। गहलोत के खिलाफ मानहानि का केस करने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि, उन्होंने इसके लिए मुझे बहुत मौके दिए हैं। मैं उनके स्तर पर नहीं जाना चाहता। मैं अपने धैर्य की क्षमता परखने का प्रयास करूंगा।

- **शेखावत ने कहा, सी.एम. ने हर स्तर पर व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने की कोशिश की, क्या इसे अपने पुत्र की हार की खीज मिटाने के रूप में देखा जाए।**

बाइडन ने यूक्रेन को दिया 500 मिलियन डॉलर का पैकेज

कीव, 20 फरवरी (वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सोमवार को युद्ध प्रभावित यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे। रूस के साथ पूर्वी यूरोपीय देश के सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति की यूक्रेन की यह पहली यात्रा है। राष्ट्रपति बाइडन ने यूक्रेन के लिए 500 मिलियन डॉलर के पैकेज की घोषणा की।

बाइडन ने कीव पहुंचने पर कहा, एक साल बाद कीव और यूक्रेन खड़ा है। लोकतंत्र खड़ा है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, आज, कीव में, मैं (बाइडन) यूक्रेन के लिए हमारे समर्थन पर विस्तृत चर्चा के लिए राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की और उनकी टीम से मिल रहा हूं। बयान में कहा गया है कि अमेरिका इस सप्ताह के अंत तक रूस और उसकी कंपनियों पर अतिरिक्त प्रतिबंधों को लगाने की घोषणा करेगा।

गौरतलब है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने 21 दिसंबर, 2022 को वाशिंगटन डी.सी. की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। रूस के साथ सैन्य संघर्ष शुरू होने के बाद यह ज़ेलेंस्की की फरवरी 2022 के बाद से पहली विदेश यात्रा थी। उन्होंने राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात के बाद कहा कि यूक्रेन को जल्द ही नए हथियारों की सप्लाई होगी। हम पुतिन को गलत साबित करके रहेंगे।

विपक्षी दलों में फूट की बात कहकर कुशवाहा ने नीतीश का साथ छोड़ा

उपेन्द्र कुशवाहा ने जे.डी.यू से इस्तीफा दिया और नई पार्टी राष्ट्रीय लोक जनता दल बनाने की घोषणा की

पटना, 20 फरवरी (वार्ता)। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने आज पार्टी से इस्तीफा दे दिया और नई पार्टी राष्ट्रीय लोक जनता दल (रालोजद) के गठन की घोषणा की।

कुशवाहा ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन कर जद यू से इस्तीफा देने और नई पार्टी राष्ट्रीय लोक जनता दल के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गलत रास्ते पर हैं और अब वह अपनी मर्जी से कोई भी फैसला पार्टी में नहीं ले पा रहे हैं, इसके कारण पार्टी बहुत कमजोर हो गई है। नीतीश कुमार पहले पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से बात कर कोई फैसला लेते थे और उनका फैसला तब सही होता था लेकिन अब वह कुछ डरे हुए लोगों से घिरे रहते हैं, जो गलत सलाह देते हैं।

कुशवाहा ने कहा कि एक दो दिनों में वह बिहार विधान परिषद की सदस्यता से भी इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अपने घर को मजबूत करने के बजाय दूसरे के घर में उत्तराधिकारी ढूंढ रहे हैं। यदि वह अति पिछड़ा समाज से किसी को चुनते तो कोई दिक्कत नहीं होती। उन्होंने कहा,जेड उपेंद्र कुशवाहा पसंद नहीं थे तो कोई बात नहीं लेकिन परिवार के अंदर ही किसी को ढूंढते।” कुशवाहा ने कहा कि जब उन्होंने पार्टी की दिन-प्रतिदिन हो रही कमजोर स्थिति को लेकर सवाल उठाया तब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनसे पार्टी छोड़ कर जाने के लिए कह दिया। पत्रकारों ने जब उन्हें यह याद दिलाया कि उन्होंने ही कहा था कि वह बिना हिस्सा लिए पार्टी कैसे छोड़ सकते हैं इस पर कुशवाहा ने कहा, “नीतीश के पास अब बचा ही क्या है। उनके हाथ में शून्य है। उन्होंने पूरी पार्टी गिरवी रख दी है। मैं उनसे अब क्या हिस्सा मांगू।” गौरतलब है कि उपेन्द्र कुशवाहा ने रविवार और सोमवार को जदयू के प्रमुख साथी और पूर्व में उनके साथ राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) में काम कर चुके सहयोगियों और महात्मा फुले समता परिषद के साथियों के साथ यहां सिन्हा लाइब्रेरी में बैठक की।

मुम्बई की तर्ज पर दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए संशोधनों से स्पष्ट है कि पुणे के रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस (आर.टी.ओ.) द्वारा 21 दिसम्बर को रद्द किए लायसैंस के मद्देनज़र सेवा समूह केन्द्र किसी वैध लायसैन्स के बिना सेवा संचालन नहीं कर सकता।

शीर्ष अदालत के निर्णय के अनुसरण में दिल्ली के परिवहन विभाग ने कहा था कि यह मोटर वीकल एक्ट 1988 का उल्लंघन है, जिसके कारण सेवा समूह केन्द्र टू-वहीलर्स का उपयोग करने पर 1 लाख रूपए के जुर्माने का पात्र होगा।

विभाग के एक सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि ड्राइवर का लायसैंस तीन माह के लिए निलम्बित कर दिया जाएगा, पहली गलती पर सेवा समूह केन्द्र पर 5 हजार रूपए जुर्माना और दूसरी पर 10 हजार रूपए जुर्माना एवं एक साल तक की सजा हो सकती है।

महाराष्ट्र के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रोपन ट्रांसपोर्टेशन सर्विस प्राइवेट लिमिटेड (रैपिडो), राज्य सरकार की 19 जनवरी को जारी अधिसूचना को चुनौती दे सकता है, जिसमें “नॉर्न-ट्रांसपोर्ट व्हीकल” को कार शेयरिंग से निषिद्ध किया गया है।

तमिलनाडू ने “नीट” की वैधता को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुद्दे को उठा रही है क्योंकि राज्य की लोक-भावनाएं नीट के विरोध में हैं तथा इसलिये द्रमुक को इसका राजनैतिक लाभ भी मिल सकता है। तमिलनाडु सरकार इसके जरिये केन्द्र सरकार को इस रूप में चित्रित करना चाहती है, जैसे कोई क्रूर सामंत तमिलनाडु को अपने तरीके से चलाने के लिये बाध्य कर रहा हो।

केन्द्र सरकार पूरे देश के सरकारी तथा प्राइवेट मैडिकल कॉलेजों में संचालित अन्डरग्रेजुएट मैडिकल कोर्सों, जैसे एम.बी.बी.एस. तथा बी.डी.एस., तथा पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सों में प्रवेश के लिए नीट, जो प्री-मैडिकल प्रवेश परीक्षा है, का आयोजन करती है।

द्रमुक के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत दायर किये मुकदमे में आरोप लगाया है कि नीट से संघवाद की समवर्ती सूची का उल्लंघन हो रहा है क्योंकि इससे शिक्षा से संबंधित निर्णय लेने की राज्य की स्वायत्तता छीनी जा रही है।

वकील अमित आनन्द तिवारी के जरिये दायर की गई इस याचिका में कहा गया है कि 2020 में सर्वोच्च न्यायालय ने नीट की वैधता का समर्थन इन आधारों पर किया था कि यह अनुचित प्रचलनों को रोकने के लिये आवश्यक है, जैसे- उम्मीदवारों की पैसे देने की क्षमता (पेइंग कैपेसिटी) के आधार पर प्रवेश देना, कैपिटेशन फीस वसूल करना, बड़े पैमाने पर घपले, विद्यार्थियों का शोषण, लाभार्जन तथा व्यवसायीकरण।

याचिका कहती है कि इस प्रकार के आधार सरकारी सीटों पर प्रवेश के मामले में लागू नहीं होते तथा उस फैसले की तार्किकता केवल प्राइवेट कॉलेजों की सीटों पर ही लागू होती है।

याचिका आगे कहती है कि नीट की पुष्टि करने वाला फैसला किसी राज्य को सरकारी सीटों पर प्रवेश के मामले में बाध्य नहीं करता।

तमिलनाडु सरकार ने डिग्री की माँग करते हुये कहा है कि “नैशनल मैडिकल फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मैडिसिन एक्ट, 2020, नैशनल कमीशन ऑफ होम्योपैथी एक्ट, 2020, पोस्ट ग्रेजुएट मैडिकल एजुकेशन रेग्युलेशंस, 2000 के नियम 9 तथा 9ए, बी.डी.एस. कोर्स रेग्यूलेशंस, 2007 के नियम 1(2), 1(5) तथा द्वितीय संविधान के अनुच्छेद 14 का तथा संघवाद का उल्लंघन करते हैं तथा इसलिये इसे (नीट) को रद्द कर दिया जाना चाहिये।”

क्रिकेट की पिच पर जमेगी भारत और ऑस्ट्रेलिया की दोस्ती

नई दिल्ली, 20 फरवरी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आस्ट्रेलिया के उनके समकक्ष एंथनी अल्बनीज मिलकर क्रिकेट मैच देखने की योजना बना रहे हैं। यह मैच भारत और आस्ट्रेलिया के बीच ही होना है। यह टैस्ट क्रिकेट मैच अहमदाबाद में 9 से 13 मार्च के बीच होना है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री व्यापार, निवेश और महत्वपूर्ण खनिजों सहित कई क्षेत्रों में समग्र द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अगले महीने की शुरुआत में भारत का अपना पहला दौरा करने वाले हैं। उनके दौरे की योजना से वाकिफ सूत्रों ने सोमवार को कहा कि अल्बनीज के 8 मार्च के आसपास यात्रा शुरू करने की उम्मीद है।

जानकारों के मुताबिक, अल्बनीज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा क्रिकेट टैस्ट मैच देखने के लिए अहमदाबाद की यात्रा कर सकते हैं। पिछले साल मई में प्रधानमंत्री बनने के बाद अल्बनीज की यह पहली भारत यात्रा होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा की तैयारी के लिए पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। अभी दौरे की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

- **प्र.मंत्री मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज़ अहमदाबाद में एक साथ क्रिकेट मैच देखने की योजना बना रहे हैं**

अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पश्चिमी देशों की एकता में दरार निर्मित करना था। यूरोपीय देशों के प्रति आकर्षण प्रकट रूप से यहां चीन के मार्केट का विस्तार और चीन की कंपनियों को इन देशों में ऑपरेट करने के अवसर प्रदान करवाना है।

यूरोपीय देशों के साथ काम करने का प्रण और उन्हें अन्य प्रलोभन देने की चीन की नीति का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है, बल्कि लगता है कि यूरोप के कूटनीतिक चीन की चालों को लेकर और आंशकित हो गए हैं।

यूरोपीयन कमीशन की वर्तमान अध्यक्ष उर्सला वॉन दे लेडन ने यह टिप्पणी करते हुए चीन के इरादों के प्रति असंतोष व्यक्त किया है कि चीन को अपने सकारात्मक रवैये को लेकर और प्रमाण देने की आवश्यकता है।

यानि कि यूरोपीयन कमीशन चीन के इरादों को लेकर प्रश्न कर रहा है, ताकि यह वास्तव में सिद्ध हो सके कि वह शांति के उद्देश्य को लेकर काम कर रहा है। तथापि यह बात अन्तर्राष्ट्रीय मसलों पर चीन के स्वयं के उद्देश्यों और उसके स्वाभाविक गुणों के विपरीत है। चीन को उम्मीद थी कि यूक्रेन पर रूस एक त्वरित एवं निर्णायक विजय प्राप्त लेगा और उससे यह सिद्धांत भी प्रतिपादित हो जाएगा कि “जिसकी लाठी उसकी भैंस” और यह भी सशस्त्र हस्तक्षेप बातचीत से परे जाकर कोई भी समाधान निकाल सकता है। चीन अपने सभी पड़ोसी देशों की इच्छा के विपरीत अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में दृष्टिकोण को लगातार आगे बढ़ा रहा है।

वह अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं नियमों का खुला उल्लंघन कर दक्षिण चीन सागर के किनारे वाले देशों के व्यापक इकोनॉमिक ज़ोन्स को हथियाना चाहता है। वह ताइवान पर भी हमला करने की फिराक में है, लेकिन क्या इसमें कानूनों और समझौते के विवरण उसकी राह में आड़े नहीं आएंगे। यदि चीन इस बार भी कुछ कह रहा है तो इसका मतलब है कि वह वो नहीं कर रहा है जो प्राय: वह कहता है, अर्थात आग में घी डालने का काम।

दिल्ली धर्म संसद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फॉरेन्सिक लैब में भेज दिये गये थे तथा उनकी रिपोर्ट अभी प्रतिक्षित है।

सर्वोच्च न्यायालय उस याचिका की सुनवाई कर रहा था जिसमें दिल्ली पुलिस के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही की माँग की गई है क्योंकि इस घटना को लेकर दिल्ली पुलिस कथित तौर पर निष्क्रिय रही है। याचिकाकर्ता तुषार गांधी ने कहा कि पुलिस की यह निष्क्रियता इस अदालत द्वारा तहसीन पूनावाला केस मे दी गई गाइडलाइनों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि उक्त गाइडलाइनों में बताया गया था कि इस प्रकार के मामलों से किस तरह निबटा जाना चाहिए।

पिछले महीने इस याचिका की सुनवाई करते हुये, सर्वोच्च न्यायालय ने पुलिस से कहा था कि वह अदालत को जाँच के नतीजों से अवगत कराये। अदालत ने यह भी पूछा था कि इस मामले की एफ.आई.आर. पाँच महीने के बाद क्यों दर्ज की गई थी।

महाधिवेशन से तीन दिन पहले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। हम नहीं डरेंगे, हम नहीं झुकेंगे।” रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद हाथ से हाथ जोड़ो अभियान और अब 85वां महाधिवेशन जिसमें करीब 15 हजार प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है और उसमें भारतीय राजनीति में आमूल-चूल परिवर्तन करने के लिए छह प्रस्ताव पारित किए जाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि “हमने इस सरकार को हिलाकर रख दिया है।”

उन्होंने सरकार की निराशा को रेखांकित करते हुए कहा कि “हम चौदह दिनों से सरकार से तीन प्रश्न प्रत्येक दिन पूछ रहे हैं। हमने प्रधानमंत्री से सीधे प्रश्न किया है कि उन्होंने गौतम अडानी की मदद किस तरह से की है और भारत के लोगों के साथ यह महाअपराध कैसे किया। रमेश ने कहा कि “प्रधानमंत्री वैसे ही बिल्कुल चुप हैं, जैसे वे चीन की घुसपैठ पर चुप्पी साधे हुए हैं। यद्यपि वे अडानी महा घोटाले को लेकर खामोश हैं, लेकिन उन्होंने कांग्रेस पार्टी के विरूद्ध ई.डी. की कार्यवाही करवा दी है।”

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को जहां ई.डी. की कार्रवाई करवानी चाहिए वे वहां नहीं करवाते। वे लोग जिनके खिलाफ पूर्व में ई.डी. की कार्रवाई की गई, वे लोग भाजपा में शामिल होने के बाद दूध के धुले बन गए हैं तथा उनके लिए अच्छा-अच्छा कहा जा रहा है और वे निर्दोष बन चुके हैं। रमेश ने कहा- लेकिन हमारे कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने भाजपा को वॉशिंग मशीन की संज्ञा दी थी किन्तु उनकी इस बात को बाद में सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि “मैं नहीं जानता कि रेड्स कब तक चलेंगी, लेकिन हम तैयार हैं। हमारे अधिकांश नेता 23, 24 25 और 26 फरवरी को रायपुर में होंगे। हमारा महाधिवेशन आयोजित होगा।”

उन्होंने कहा कि इन रेड्स ने हमारा दृढ़ निश्चय बढ़ाया है। यदि ऐसा है तो इन रेड्स ने हमें प्रधानमंत्री और उनकी प्रतिशोधात्मक थर्ड ग्रेड पॉलीटिक्स के विरूद्ध और आक्रामक होने के लिए एक बूस्टर डोज़ दी है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुछ विधायकों और कांग्रेस नेताओं से संबंधित परिसरों सहित एक दर्जन से अधिक ठिकानों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि ई.डी. उन लोगों की जांच कर रही है जो वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान कथित रूप से किए गए कोल लैवी स्कैम के लाभार्थी रहे हैं। एजेंसी का आरोप है कि ई.डी. की जांच एक महाघोटाले से संबंधित है, जिसमें छत्तीसगढ़ में परिवहन होकर आने वाले प्रत्येक एक टन कोयले के लिए एक गुट द्वारा 25 रूपए प्रतिटन अवैध रूप से वसूला जा रहा है। इस गुट में वरिष्ठ नौकरशाह, व्यापारी, राजनेता और दलाल शामिल हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908